

**03 मई 2022 : PIB विश्लेषण****विषयसूची:**

1. डेनमार्क की प्रधानमंत्री के साथ भारतीय प्रधानमंत्री की बैठक:
2. भारत और जर्मनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर मिलकर काम करने पर सहमत:
3. राष्ट्रपति ने दिल्ली में भगवान महावीर सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का शिलान्यास किया:
4. राष्ट्रीय खनिज विकास निगम लिमिटेड (एनएमडीसी):
5. एयर चीफ मार्शल पीसी लाल:
6. "ऑपरेशन सतर्क":

1. डेनमार्क की प्रधानमंत्री के साथ भारतीय प्रधानमंत्री की बैठक:

सामान्य अध्ययन: 2

अंतर्राष्ट्रीय संबंध:

विषय: भारत के राजीनीतिक, आर्थिक एवं व्यापारिक हितों पर विभिन्न विकसित एवं विकासशील देशों की नीतियां और उनका प्रभाव।

प्रारंभिक परीक्षा: दूसरा भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन, भारत-डेनमार्क आभासी शिखर सम्मेलन।

मुख्य परीक्षा: दोनों देशों के बीच हरित रणनीतिक साझेदारी का प्रभाव ?

**प्रसंग:**

- प्रधानमंत्री ने डेनमार्क की प्रधानमंत्री सुश्री मेटे फ्रेडरिकसन के साथ द्विपक्षीय वार्ता की।

**उद्देश्य:**

- दोनों नेताओं के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई।

**विवरण:**

- दोनों प्रधानमंत्रियों ने भारत-डेनमार्क हरित सामरिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा की।
  - इस बातचीत में अक्षय ऊर्जा, खास तौर पर अपतटीय पवन ऊर्जा व ग्रीन हाइड्रोजन और साथ ही कौशल विकास, स्वास्थ्य, शिपिंग, जल तथा आर्कटिक में सहयोग जैसे विषयों पर भी बात की।
- दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच लोगों के बढ़ते आपसी संबंधों की सराहना की और प्रवासन व गतिशीलता साझेदारी पर घोषणा का स्वागत किया।
- दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।
- प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के बाद एक संयुक्त वक्तव्य जारी किया गया।
- विभिन्न क्षेत्रों में, विशेष रूप से नवीकरणीय ऊर्जा (renewable energy) स्वास्थ्य, बंदरगाहों, शिपिंग, सर्कुलर इकोनामी तथा जल प्रबंधन (water management) के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।
  - 200 से अधिक डेनिश कंपनियां भारत में विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रही हैं-जैसे पवन ऊर्जा, शिपिंग, कंसल्टेंसी, खाद्य प्रसंस्करण (food processing) इंजीनियरिंग आदि हैं।
  - इन्हें भारत में बढ़ते व्यापार करने में आसानी ('Ease of doing business') और हमारे व्यापक आर्थिक सुधारों का लाभ मिल रहा है।
  - भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर और ग्रीन इंडस्ट्रीज में डेनिश कम्पनीज और डेनिश पेंशन फंड (Danish Pension Funds) के लिए निवेश के बहुत अवसर हैं।

- इस यात्रा के दौरान भारत-EU रिश्तों, भारत-प्रशांत (Indo-Pacific) और यूक्रेन सहित कई क्षेत्रीय तथा वैश्विक मुद्दों पर भी बातचीत की।
- आशा व्यक्त की कि भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते पर (India-EU Free Trade Agreement) वार्ता (negotiations) यथाशीघ्र होगी।
- एक निः शुल्क, खुला, समावेशी (Free, Open, Inclusive) और नियम आधारित (Rules-based) इंडो-पसिफ़िक क्षेत्र को सुनिश्चित करने पर जोर दिया।
- यूक्रेन में तत्काल युद्धविराम और समस्या के समाधान के लिए बातचीत और कूटनीति का रास्ता अपनाने की अपील की।
- जलवायु (climate) के क्षेत्र में अपने सहयोग पर भी चर्चा की।
- दोनों देश 04 मई को होने वाले दूसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन (2nd India-Nordic Summit) में भाग लेंगे।

### हरित रणनीतिक साझेदारी:

- सितंबर, 2020 में दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच वर्चुअल समिट के दौरान स्थापित ग्रीन स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप, भारत और डेनमार्क के बीच बढ़े हुए सहयोग के लिए उत्प्रेरक बन गई है।
- दोनों प्रधानमंत्रियों ने अक्टूबर 2021 में प्रधान मंत्री फ्रेडरिकसेन की भारत यात्रा के बाद से विशेष रूप से अक्षय ऊर्जा, स्वास्थ्य, जहाजरानी और पानी के क्षेत्रों में विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति पर संतोष व्यक्त किया।
- दोनों नेताओं ने अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) के काम में हुई प्रगति पर ध्यान दिया और आईएसए के सचिवालय को मजबूत करने सहित आईएसए के काम के लिए योजनाबद्ध डेनिश समर्थन का स्वागत किया।

- दोनों प्रधानमंत्रियों ने शहरी और ग्रामीण जल आपूर्ति, भूजल मानचित्रण, अपशिष्ट जल प्रबंधन, नदी कायाकल्प और डिजिटलीकरण के क्षेत्र में सहयोग में हुई प्रगति पर संतोष व्यक्त किया।
- उन्होंने समग्र और टिकाऊ दृष्टिकोण के माध्यम से वर्तमान और भविष्य की मांग को पूरा करने के लिए सुरक्षित पानी के क्षेत्र में मौजूदा सहयोग को गहरा और विस्तारित करने के दोनों देशों के इरादे का स्वागत किया।
- वे मौजूदा सहयोग को बढ़ाने और वाराणसी में स्वच्छ नदी जल पर एक स्मार्ट प्रयोगशाला और स्मार्ट जल संसाधन प्रबंधन पर उत्कृष्टता केंद्र पर नई पहल शुरू करने के लिए जल शक्ति मंत्रालय और डेनिश पर्यावरण मंत्रालय के बीच एक व्यापक-आधारित ढांचे के रूप में एक समझौता ज्ञापन पर शीघ्र हस्ताक्षर करने की आशा करते हैं।
- दोनों प्रधानमंत्रियों ने हरित नौवहन पर उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना पर आशय पत्र का स्वागत किया, जो द्विपक्षीय समुद्री सहयोग को और मजबूत करेगा।
- दोनों नेताओं ने अन्य लोगों के बीच डेयरी पर उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के इरादे की संयुक्त घोषणा द्वारा कृषि पर सहयोग का विस्तार करने पर भी सहमति व्यक्त की।
- दोनों प्रधानमंत्रियों ने हरित हाइड्रोजन और हरित ईंधन के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के लिए संयुक्त आह्वान का स्वागत किया।
- उन्होंने संयुक्त आह्वान के लक्षित क्षेत्रों को विशेष रूप से परिवहन और उद्योग के लिए हरित हाइड्रोजन और अन्य हरित ईंधन के संबंध में नोट किया जहां जीवाश्म ऊर्जा के लिए कोई लागत प्रभावी विकल्प नहीं हैं।
- दोनों प्रधानमंत्रियों ने कौशल विकास क्षेत्र में चल रहे सहयोग का स्वागत किया और कौशल विकास पर एक समझौता ज्ञापन द्वारा सहयोग को मजबूत करने पर सहमत हुए।

- दोनों प्रधानमंत्रियों ने सुरक्षित, व्यवस्थित और नियमित प्रवास को बढ़ावा देने की दृष्टि से प्रवासन और गतिशीलता पर आशय पत्र के साथ लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की।
- दोनों प्रधानमंत्रियों ने पारस्परिक हित के विषयों पर नीति नियोजन वार्ता को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की, जैसा कि संयुक्त कार्य योजना में दर्शाया गया है।
- दोनों प्रधानमंत्रियों ने संयुक्त आयोग के तहत हरित रणनीतिक साझेदारी के मध्यावधि मूल्यांकन की आशा की और मौजूदा संयुक्त कार्य योजना 2026 में समाप्त होने के बाद एक व्यापक हरित रणनीतिक साझेदारी के लिए एक उन्नत रणनीतिक परिप्रेक्ष्य की दिशा में काम करने पर सहमत हुए।
- दोनों प्रधानमंत्रियों ने 2024 में द्विपक्षीय संबंधों की 75वीं वर्षगांठ तक नियमित रूप से उच्च-स्तरीय बातचीत बनाए रखने पर सहमति व्यक्त की और इसे उचित तरीके से मनाने पर सहमत हुए।

### जलवायु सहयोग:

- भारत ग्लासगो COP-26 में लिए गए संकल्पों को पूरा करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। आर्कटिक क्षेत्र में सहयोग के अधिक अवसर तलाशने पर सहमत हुए हैं।
- दोनों प्रधानमंत्रियों ने वैश्विक औसत तापमान में वृद्धि को पूर्व-औद्योगिक स्तरों से 2 डिग्री से नीचे रखने के लिए त्वरित जलवायु कार्रवाई की आवश्यकता पर COP26 में अंतर्राष्ट्रीय समझौते का स्वागत किया और तापमान वृद्धि को पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री तक सीमित करने के प्रयासों का अनुसरण किया।
- डेनमार्क के प्रधान मंत्री ने 2030 तक उत्सर्जन को 70 प्रतिशत तक कम करने के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए डेनमार्क में जीवाश्म ईंधन को नियमित चरण से बाहर और नवीकरणीय ऊर्जा की तैनाती में

तेजी लाने के लिए डेनमार्क की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।डेनमार्क यूरोपीय ग्रीन डील के कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं।

### बहुपक्षीय सहयोग:

- दोनों प्रधानमंत्रियों ने नियम-आधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था और एक मजबूत और सुधारित बहुपक्षीय प्रणाली के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।
- दोनों प्रधानमंत्रियों ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सहित संयुक्त राष्ट्र में सुधार की दिशा में काम करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की, ताकि इसे अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जवाबदेह बनाया जा सके।
- डेनमार्क के प्रधान मंत्री ने एक सुधारित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के लिए डेनमार्क के समर्थन को दोहराया।
- प्रधान मंत्री मोदी ने 2025-2026 के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अस्थायी सदस्यता के लिए डेनमार्क की उम्मीदवारी के लिए भारत के समर्थन की पुष्टि की।

क्रम संख्या	समझौते
1.	प्रवासन और गतिशीलता पर आशय की घोषणा (DoI)(Declaration of Intent (DoI) on Migration and Mobility)
2.	हरित नौवहन क्षेत्र में उत्कृष्टता केंद्र हेतु बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार और डेनमार्क के व्यापार, उद्योग और वित्तीय मामलों के मंत्रालय के बीच आशय पत्र (एलओआई)(Letter of Intent (LoI) between Ministry of Ports, Shipping and Waterways, GOI and Ministry of Business, Industry and Financial Affairs of Denmark on Centre of Excellence in Green Shipping)

3.	वर्ष 2022-2026 के लिए संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार और डेनमार्क के संस्कृति मंत्रालय के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम (सीईपी)(Cultural Exchange Programme (CEP) between the Ministry of Culture, Gol and Ministry of Culture of Denmark for the years 2022-2026)
4.	जल शक्ति मंत्रालय और डेनमार्क के पर्यावरण मंत्रालय के बीच आशय पत्र (एलओआई)(Letter of Intent (LoI) of between Ministry of Jal Shakti and Ministry of Environment of Denmark)
5.	कौशल विकास, व्यावसायिक शिक्षा और उद्यमिता के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता ज्ञापन(MoU on Cooperation in the field of Skill Development, Vocational Education and Entrepreneurship)
6.	पशुपालन और डेयरी के क्षेत्र में सहयोग पर आशय की संयुक्त घोषणा (जेडीआई)(Joint Declaration of Intent (JDI) on Cooperation in the fields of Animal Husbandry and Dairying)
7.	मंत्रिस्तरीय स्तर पर ऊर्जा नीति वार्ता का शुभारंभ(Launch of Energy Policy Dialogue at Ministerial level)
8.	भारत आईसीएआर (इंटरनेशनल सेंटर फॉर एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेंस सॉल्यूशंस) के मिशन पार्टनर के रूप में शामिल होगा(India to join as mission partner to ICARS (International Centre for Anti-Microbial Resistance Solution))
9.	स्टार्ट-अप की सुविधा के लिए इन्वेस्ट इंडिया और डेनमार्क के तकनीकी विश्वविद्यालय के बीच आशय पत्र(Letter of Intent between Invest India and Technical University of Denmark to facilitate start-up collaboration)

2. भारत और जर्मनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) पर मिलकर काम करने पर सहमत:



सामान्य अध्ययन: 2

अंतर्राष्ट्रीय संबंध:

विषय: भारत के राजीनीतिक, आर्थिक एवं व्यापारिक हितों पर विभिन्न विकसित एवं विकासशील देशों की नीतियां और उनका प्रभाव।

प्रारंभिक परीक्षा: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI)

**प्रसंग:**

- भारत और जर्मनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) स्टार्ट-अप के साथ-साथ 'एआई' अनुसंधान और स्थिरता व स्वास्थ्य देखभाल में इसके अनुप्रयोग पर मिलकर काम करने पर सहमत हुए हैं।

**विवरण:**

- दोनों देशों ने इस बात पर सहमति जताई कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में एक-साथ काम करने की काफी संभावना है, जिसके लिए दोनों पक्षों के विशेषज्ञ पहले ही मिल चुके हैं।
- इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, साइबर फिजिकल सिस्टम, क्वांटम टेक्नोलॉजीज, फ्यूचर मैनुफैक्चरिंग, ग्रीन हाइड्रोजन फ्यूल, डीप ओशन रिसर्च जैसे अग्रणी क्षेत्र भारत और जर्मनी के बीच साझेदारी के नए क्षेत्रों के रूप में उभर रहे हैं।
- नवंबर 2019 में, चांसलर मर्केल के दिल्ली दौरे के दौरान, जर्मनी और भारत ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में एक संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रम बनाने पर सहमति व्यक्त की थी।
  - उन्होंने उच्च शिक्षा में इंडो-जर्मन भागीदारी को अगले चार वर्षों के लिए बढ़ाने का भी फैसला किया, जिसमें प्रत्येक का योगदान 35 लाख यूरो था।
- भारत और जर्मनी ने दोनों देशों के जारी विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहयोग पर संतोष व्यक्त किया है जो दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों का एक रणनीतिक स्तंभ है।



- दोनों देश अब इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, साइबर फिजिकल सिस्टम, क्वांटम टेक्नोलॉजीज, प्यूचर मैन्युफैक्चरिंग, ग्रीन हाइड्रोजन प्यूल, डीप ओशन सहित विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अग्रणी क्षेत्रों में काम कर रहे हैं।
  - इन क्षेत्रों में अनुसंधान और संयुक्त सहयोग विकसित करने का प्रस्ताव। दोनों देशों ने सस्टेनेबिलिटी अर्थात टिकाऊ विकास और हेल्थकेयर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अनुप्रयोग जैसे क्षेत्रों में एक-दूसरे की क्षमता का आकलन करना शुरू कर दिया है।
- दोनों मंत्रियों ने अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान प्रशिक्षण समूहों (आईआरटीजी) कार्यक्रम का समर्थन करने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार और जर्मन रिसर्च फाउंडेशन (डीएफजी) के बीच हाल ही में संपन्न हुए समझौता ज्ञापन पर संतोष व्यक्त किया जिससे पीएचडी कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए भारतीय और जर्मन छात्रों के प्रशिक्षण को लक्षित क्षमता निर्माण की दिशा में सहयोग को और प्रोत्साहन मिलेगा।
  - इस कार्यक्रम के तहत भारतीय और जर्मन अनुसंधान समूहों से प्रस्ताव आमंत्रित करने की अपील पहले ही की जा चुकी है।
- हाल ही में विज्ञान और इंजीनियरिंग में मानव क्षमता विकास के लिए कई पहलें की गई हैं, जिनमें विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान में महिला भागीदारी (डब्ल्यूआईएसईआर) शामिल है।
  - इससे जारी एस एंड टी परियोजनाओं और पेयर्ड अर्ली कैरियर फेलोशिप में महिला शोधकर्ताओं के पार्श्व प्रवेश की सुविधा मिलेगी जो दोनों पक्षों के युवा शोधकर्ताओं के आदान-प्रदान के साथ भारत-जर्मन एस एंड टी सहयोग के लिए एक समावेशी पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करेगा।
- वर्तमान में नवाचार, उद्यमिता और आईपी जेनरेशन की मूल्य श्रृंखला को बढ़ावा देने पर बल दिया जा रहा है।

- भारतीय नवोन्मेष प्रणाली सामर्थ्य और पहुंच पर ध्यान देने के साथ प्रक्रिया संचालित होने के बजाय ज्यादातर उद्देश्य से प्रेरित है।

### प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा की दृष्टि से कुछ महत्वपूर्ण तथ्य:

#### 1. राष्ट्रपति ने दिल्ली में भगवान महावीर सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का शिलान्यास किया:

- राष्ट्रपति ने 03 मई 2022 को दिल्ली में भगवान महावीर सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का शिलान्यास किया।
- यह वर्ष 2023 तक यह अत्याधुनिक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल बनकर तैयार हो जाएगा।
- फेस मास्क के महत्व के बारे में बोलते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि आधुनिक इतिहास में सर्जिकल मास्क लगाने की शुरुआत 1897 में की गई जब शल्य चिकित्सकों ने ऑपरेशन के दौरान बैक्टीरिया से स्वयं को बचाने के लिए मास्क का उपयोग करना शुरू किया।
- लेकिन जैन संतों ने सदियों पहले ही मास्क के महत्व को समझ लिया था। अपने मुंह और नाक को ढककर वे न सिर्फ जीव-हिंसा से बचते थे बल्कि वे अपने शरीर में सूक्ष्म जीवों के प्रवेश को रोकने में भी सक्षम थे।
- जैन परम्परा हमें संतुलित और पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली अपनाना सिखाती है।

#### 2. राष्ट्रीय खनिज विकास निगम लिमिटेड (NMDC):

- राष्ट्रीय खनिज विकास निगम लिमिटेड (NMDC) इस्पात मंत्रालय के तहत एक केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम है जो देश का सबसे बड़ा लौह अयस्क उत्पादक है।

- इस निगम में वित्त वर्ष 2023 के पहले महीने में 3.15 मिलियन टन (एमएनटी) लौह अयस्क का उत्पादन हुआ है और इसने 3.12 मिलियन टन लौह अयस्क की बिक्री की है।
- अप्रैल 2022 में लौह अयस्क का उत्पादन अप्रैल 2021 की तुलना में 0.6 प्रतिशत अधिक रहा और इस माह के दौरान सीपीएलवाई की तुलना में बिक्री में 0.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।
- वित्त वर्ष 2022 में उत्पादन 42 मिलियन टन हुआ था।
- इस प्रमुख खनन कंपनी ने किसी भी अप्रैल माह में पहली बार सर्वाधिक उत्पादन किया है।

### 3. पीसी लाल स्मृति व्याख्यान कार्यक्रम:

- रक्षा मंत्री 05 मई 2022 को 37वें एयर चीफ मार्शल पीसी लाल स्मृति व्याख्यान कार्यक्रम में मुख्य भाषण देंगे।
- इस व्याख्यान का पिछला संस्करण 2019 में आयोजित किया गया था।
- एयर चीफ मार्शल पीसी लाल को 1939 में भारतीय वायुसेना में कमीशन दिया गया था।
  - द्वितीय विश्व युद्ध में बर्मा अभियान के दौरान उन्हें विशिष्ट फ्लाइंग क्रॉस पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।
  - उन्होंने 1965 के युद्ध के दौरान वायु सेना के उप प्रमुख के रूप में भी कार्य किया था।
  - वर्ष 1966 में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) में प्रतिनियुक्ति पर रहते हुए, इन्होंने एचएएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के रूप में कार्य किया।

- 1971 के युद्ध के दौरान 7वें वायु सेना प्रमुख के रूप में, उनका उत्कृष्ट नेतृत्व भारत की जीत और बांग्लादेश की मुक्ति के लिए एक निर्णायक पक्ष सिद्ध हुआ।
- दोनों युद्धों के दौरान उनके विशिष्ट योगदान के लिए उन्हें 1966 में पद्म भूषण और 1972 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था।
- 1973 में सेवानिवृत्ति के बाद, पहले उन्हें इंडियन एयरलाइंस के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक और बाद में एयर इंडिया के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था।

#### 4. "ऑपरेशन सतर्क":

- भारतीय रेल, राष्ट्र की जीवन रेखा है, रेलवे सुरक्षा बल देश का एक सशस्त्र बल है, जिसे रेलवे संपत्ति, यात्री-क्षेत्र और यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गयी है।
- यह रेलवे सुरक्षा के क्षेत्र में अग्रणी सुरक्षा एजेंसी है, जो अखिल भारतीय स्तर पर मौजूद है।
- भारतीय रेल, राष्ट्र का प्राथमिक ट्रांसपोर्टर है, इसमें कर चोरी/तस्करी/अपराध /आतंक के कृत्यों को अंजाम देने के लिए अवैध शराब / एफआईसीएन / अवैध तंबाकू उत्पादों / बेहिसाब सोने / नकदी / कीमती वस्तुओं / अन्य वस्तुएं रेलवे नेटवर्क से परिवहन किये जाने पर कार्रवाई करने के उद्देश्य से रेलवे सुरक्षा बल ने हाल ही में "ऑपरेशन सतर्क" शुरू किया था।